

मेरी और मेरी कामवाली की चुदास-3

“मेरे घर मेरे भाई का साला कुछ दिन के लिए आया तो मेरी कामवाली तो उस पर खुद को लुटाने को तैयार थी. मेरा दिल भी उस पर आ गया था. तो हम दोनों में से किसने पहले बाजी मारी ? पढ़ें यह कहानी !

”

...

Story By: (pchopra)

Posted: Sunday, September 16th, 2018

Categories: नौकर-नौकरानी

Online version: मेरी और मेरी कामवाली की चुदास-3

मेरी और मेरी कामवाली की चुदास-3

अब तक इस सेक्स स्टोरी में आपने पढ़ा कि मेरी कामवाली मुझे अपनी पहली चुदाई की कहानी सुना रही थी और उसके ममेरे भाई ने उसकी सील तोड़ दी थी चुकी थी और अब वो उसे दुबारा चुदने के लिए कह रहा था.

आधे घण्टे बाद उसका लंड फिर से खड़ा हो गया और वो बोला- अबकी बार तुम्हें भी मज़ा आएगा.

मैंने कहा- नहीं मुझे अब कोई मज़ा नहीं लेना. पहले ही से मेरी जान जा रही है.

मगर उसने कहा- एक बार और करवा लो अगर नहीं आया तो मैं बीच में ही छोड़ दूँगा.

मुझे मालूम था कि जरूर इस खेल में मज़ा आता होगा, तभी तो मम्मी पापा इस खेल को खेलते हैं. इसलिए मैं चुपचाप मान गई और उसने अब अपना लंड फिर से अन्दर कर दिया. अबकी बार लंड को चूत में जाने के लिए कोई खास तकलीफ़ नहीं हुई और मुझे अब कुछ मज़ा आने लग गया था. अब मैं भी चूतड़ नीचे से हिला हिला कर लंड अन्दर करवा रही थी.

इस तरह से मुझे चुदाई का सब कुछ पता लग गया. उसके बाद जब तक मैं वहाँ रही, वो रोज़ ही किसी ना किसी टाइम मेरी चूत में अपना लंड डालता रहा. मगर दीदी आपको कहाँ से पता लगा.

मैंने कहा- मुझे तो किताबों से और कंप्यूटर से पता लग गया था. फिर मैं तो कॉलेज में यही सब करती रही हूँ. मैं तो तुम्हारी चूत और मम्मी पर जानबूझ कर हाथ रखा करती थी कि तुम भी वैसे ही करो मगर तुमने कुछ नहीं किया.

वो बोली- मैं तो डरती थी कि आप नींद में हैं और ग़लती से यह हो रहा है. अगर मैंने कुछ

किया तो आप मुझे घर से बाहर ही ना निकाल दो.. इसलिए डरती थी, वरना मैं तो चाहती थी कि मुझे पूरी नंगी कर के मेरी चूत को चाट चाट कर चाटा जाए.

इस तरह से हम दोनों आपस में डिल्डो की मदद से चुत की चुदास को शांत कर लेते थे. पिकी के साथ चूत चुसाई का काम और नकली लंड से चुदवाने का काम हर रोज होने लग गया था.

अब पिकी घर का एक हिस्सा बन चुकी थी. वो जब मैं कहीं जाती तो मेरे साथ ही जाती थी. कुछ समय बाद कंपनी में मेरे प्रमोशन हो गया और मुझे दो बेडरूम वाला घर मिल गया. मेरा मेलजोल भी कई लोगों से हो चुका था और उन सबसे मैं अब पिकी को अपनी कजिन बताती थी. मगर वो पढ़ी लिखी नहीं थी, इसलिए मैंने उसको कुछ किताबें लाकर दीं और उसको पढ़ना सीखना शुरू किया. वो बहुत होशियार थी और जल्दी ही सीखती गई. मैंने फिर उसे किसी प्राइवेट स्कूल में भेजना शुरू किया और वो जल्दी ही ओपन स्कूल की दूर से पढ़ाई करने लगी तथा हाई स्कूल की प्राइवेट प्ररीक्षा में बैठ कर पास भी हो गई.

उधर मेरे भाई मुझे अपने पास बुला रहा था मगर मैं चाहती थी कि पिकी को अपने पैरों पर खड़ा करके किसी अच्छी जगह नौकरी लगवा दूँ. इस काम में कितनी सफलता मिलेगी, वो तो मैं नहीं जानती थी मगर उसको चुदाई में पूरी ट्रेनिंग देती रहती थी. क्योंकि अब वो थोड़ा इंग्लिश भी जान चुकी थी और मेरे से कंप्यूटर भी चलाना सीख लिया था. इसलिए वो अन्तर्वासना और अन्य सेक्सी साइट को खूब दिल भरकर देखा करती थी.

एक दिन जब वो किसी काम बिजी थी तो मैंने देखा कि उसकी मेल आईडी खुली रह गई थी. मैंने उसके पासवर्ड को अपने मोबाइल से लीक कर लिया और फिर मैंने अपने ऑफिस में ही उसकी सारी मेल्स जो जाती थी और उसको मिलती थीं, पढ़ लीं. सारी की सारी मेल सेक्स से भरी हुई थीं. मेल जो उसको मिलती थीं, उसमें कुछ लड़कों ने अपना खड़ा हुआ लंड दिखाकर पूछा था कि अगर चाहिए तो बताओ और अपनी चूत की पिक्चर भी भेजो.

मुझे समझ में आ गया कि अब पिकी को एक लंड चाहिए, जो उसकी चूत की अच्छी तरह से चुदाई कर सके. यह सब देख कर मेरी चूत भी गीली होने लगी.

अब मुझे यह समझ में नहीं आ रहा था कि लंड को कैसे हासिल किया जाए. क्योंकि मुझे अपनी सामाजिक हैसियत का भी खयाल रखना था. कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि क्या करूँ.

मुझे नहीं पता कि पिकी को कितनी ज़रूरत थी मगर मेरी तो बहुत बढ़ गई थी, जब से मैंने उसकी मेल्स पढ़े और लंड के फोटो देखे.

एक दिन मुझे मेरे भाई का फोन आया कि उसका साला, जिसे अभी अभी नौकरी मिली है.. वो भी तुम्हारे ही शहर में आ रहा है. इसलिए उसको एक दो दिन शायद तुम्हारे घर पर रहना पड़े. अगर तुम्हें कोई प्रॉब्लम हो, तो उसके लिए एक कमरा किसी अच्छे होटल में बुक कर देना.

मैंने कहा- भैया क्या बात कर दी आपने.. वो भाभी का भाई है. वो जब तक चाहे रह सकता है. फिर मेरे पास दो बेड रूम वाला फ्लैट है. आप चिंता ना करो.. उसको बोलो कि वो सीधा मेरे घर आ जाए. मेरा घर हमेशा खुला रहता है. मेरी एक मेड है, जिसका नाम पिकी है.. मगर मैंने उसको अपनी बहन की तरह से मान कर रखा हुआ है. उससे कहना कि आने से पहले फोन कर लेगा तो मैं पिकी तो बता दूँगी और वो उसको जिस चीज़ की भी ज़रूरत होगी, पिकी दे देगी.

भाई का साला दो दिनों बाद ही आ गया और उसका बहुत अच्छी तरह से स्वागत किया गया. उसको मैंने कहा कि जब तक आपका कोई पक्का बंदोबस्त ना हो जाए, आप इसे अपना ही घर समझते हुए आराम से रहो.

उसका नाम दीपक था. वो बहुत ही हैंडसम और 5 फुट 10 इंच लंबा था. उसे देख कर तो एक बार मेरी चूत भी फुदकने लग गई थी. मैंने देखा कि पिकी कुछ ज्यादा ही उस पर मेहरबान हो रही थी. उसको अपने मम्मे दिखाने का कोई भी मौका नहीं चूकती थी.

मुझे यह पता था कि पिकी को कोई भी चोद लेगा.. मगर उसके साथ नहीं रहेगा. मैं नहीं चाहती थी कि वो इस तरह के किसी भी चक्कर में फँस जाए. मैं तो चाहती थी कि उसको कोई अच्छी से नौकरी लगवा कर किसी अच्छे लड़के से उसका घर बसवा दूं. मगर उसकी कई मेल पढ़ कर लगता था कि कोई माहिर हरामी इसकी चुत चोद कर ही रहेगा. मैं जितना भी बचाना चाहूं.. बचा नहीं सकूंगी.

तब मैंने सोचा इसको इसकी किस्मत पर ही छोड़ देना चाहिए. अब ये पढ़ी लिखी है और अपना भला बुरा समझ सकती है. मेरे सिखाने से कुछ भी नहीं होगा.

वो ही हुआ, जिसका मुझे शक था. मैंने एक मेल पढ़ी, जो इसने किसी से की थी. मुझे लगा कि शायद यह भाई के साले को की गई होगी. क्योंकि उसका आईडी मेरे पास नहीं था इसलिए मैं निश्चित रूप से कुछ नहीं कह सकती थी.

उसमें लिखा था- मेरे दिल के बादशाह.. जब से आपको देखा है, मेरी रातों की नींद उजड़ गई है. हम लोग साथ साथ ही रहते हैं.. मगर आपने कभी मेरी तरफ देखने की कोशिश ही नहीं की. मैं तो अपना सब कुछ आप पर लुटाना चाहती हूँ मगर आप लूटना ही नहीं चाहते.

यह बात अगले दिन ही साफ़ हो गई जब दीपक ने मुझसे मेरा ईमेल आईडी माँगी उसने ये कहते हुए माँगी कि ऑफिस में देना है. मुझे अपने अड्रेस के साथ, यहाँ के कॉन्टैक्ट्स के साथ ये सब देना है.

मैंने अपनी मेल देते हुए, उससे उसकी आईडी पूछी, तो उसने दे दी. उससे पता लग गया कि पिकी ने उसी को मेल की थी.

एक बार मुझे लगा कि उसे शायद कुछ गलतफहमी हो गई कि मैंने ही उसे वो मेल की है. इसलिए मैंने उसको अपनी मेल आईडी के साथ ही पिकी की मेल आईडी भी दे दी. ये कहते हुए कि यह पिकी का मेल एड्रेस है.. अगर ऑफिस में आल्टर्नेटिव आईडी चाहिए हो, तो दे देना.

जब उसने उसका देखा तो पूछा- यह पिकी का ही मेल एड्रेस है क्या ?

मैंने कहा- नहीं तो क्या मेरा है ?

अब सब कुछ साफ़ हो चुका था.

मैंने अगले कुछ दिनों में देखा कि दीपक का पिकी की तरफ़ कुछ ज्यादा ही झुकाव हो गया था. जब भी मौका मिलता था एक दूसरे को टच कर लिया करते थे. मेरे शक़ पक्का होता जा रहा था. मगर मैं फिर भी किसी से कुछ नहीं कह सकती थी. यह उन दोनों का मामला है और अगर किसी से भी कुछ कहा तो बात ज़रूरत से ज्यादा ही बढ़ जाएगी.

बस मैं उन दोनों की गतिविधियों को नोट करती रही. दीपक को यह पता था कि वो पिकी के साथ मेरे घर पर कुछ नहीं कर पाएगा. इसलिए उसने मुझसे कहा कि उसे उसके दोस्त ने एक फ्लैट दिलवा दिया है और वो वहीं शिफ्ट हो जाएगा.

मैंने उसे ना तो ना कह सकती थी और ना ही रोक सकती थी. मैंने कहा जैसा आपको उचित लगे, मेरी तरफ से आप जब तक चाहे रह सकते हैं. अगर बाद में भी कोई प्रॉब्लम आए.. तो बेझिझक आपका यहाँ पर स्वागत है.

वो धन्यवाद बोलकर अपना सामान लेकर नये फ्लैट में चला गया.

अब पिकी और दीपक में मेल्स का आवागमन शुरू हो चुका था, जिसे मैं आराम से पढ़ लेती थी. उसके मेल मेरे को पढ़ने को मिल जाते थे, जिसका किसी को नहीं पता था.

अब तो उनमें जो मेल आते जाते थे, उनमें लिखा होता था कि मेरा लंड खड़ा होकर तुम्हारी चूत को याद करता है. जिसका जवाब जाता था कि मेरी चूत रोती है तुम्हारे लंड को सपनों में देख कर. किसी दिन इसमें डालो न मेरे बादशाह.

एक दिन जवाब आया कि मेरी मलिका मेरा लंड तुम्हें सलामी दे रहा है. कल छुट्टी है तुम पूनम से कोई बहाना बना कर मेरे घर पर आ जाओ, फिर पूरा मजे लेंगे.

उसी दिन रात को पिकी ने कहा कि दीदी मुझे कल किसी से मिलने जाना है, जो मेरी पुरानी सहेली है.

मैं जान चुकी थी कि इसे चुदवाने जाना है. मैंने कहा- कब तक वापिस आ जाओगी ?

वो बोली- जल्दी आ जाऊंगी मगर अगर देरी होगी तो मैं आपको फोन कर दूँगी.

मैंने कहा- ठीक है मैं कल खाने के लिए पिज्जा का ऑर्डर कर लूँगी. तुम आराम से बिना किसी चिंता के जाओ.

अब वहाँ क्या हुआ.. वो तो मैं नहीं कह सकती मगर जब वापिस आई तो उसको चाल से पता लगता था कि उसकी चूत की आज जमकर चुदाई हुई है. उसकी टांगें ठीक तरह से खड़ी नहीं हो पा रही थीं. लगता था दीपक ने इसकी चूत को चोदते हुए टांगों को पूरी फैला कर खेल किया होगा. रात को जब मैंने उससे कहा कि मैं बेल्ट से लंड को बांधती हूँ.. तुम तैयार हो जाओ.

तो पिकी बोली- दीदी आज दिल नहीं कर रहा है.

मैं समझ चुकी थी कि आज दीपक ने इसकी चूत को पूरा भोसड़ा बना दिया है.

अगर मैं अपने दिल की कहूँ तो दीपक पर मेरा भी दिल आया हुआ था. मगर मुझे लगा कि

पिंकी ने बाजी मार ली है. खैर कुछ ना कुछ करना ही पड़ेगा, जिससे उसका लंड भी अपनी चूत में घुसवा कर मज़े ले सकूँ.

अब मैंने सोचा कि अगर मैं दीपक से कहूँगी तो हो सकता है, वो मुझे ग़लत समझ ले. इसलिए इस काम के लिए पिंकी को ही मोहरा बनाना पड़ेगा.

मैं यही सोच कर एक दिन पिंकी से बोली कि पिंकी देख तो यह मेल मेरी आइडी पर कहाँ से आई है.. जो कि शायद तुम्हें लिखी हुई है.

वो दीपक की थी, उसमें उसने उसकी चूत में अपना लंड डालते हुए की बात की थी.

पिंकी मेल देख कर घबरा गई और बोली- दीदी मुझे नहीं पता कि किसने आपको फॉर्वर्ड की है.

मैंने कहा- आज तक तुमसे मैंने कुछ नहीं छुपाया और तुमको अपनी छोटी बहन मान कर ही सब कुछ बात की है. मगर तुम तो मुझे अपना ही नहीं समझती हो.

वो बोली- नहीं दीदी ऐसी कोई बात नहीं है.

मैंने कहा- फिर अगर तुमको कोई लंड चूत में लेना ही था तो मुझसे भी बाँट लेती ना.. मेरी चूत भी तुम्हारी तरह की ही है ना.. उसे भी तो एक लंड चाहिए ना.

पिंकी- दीदी मैं आपसे कुछ भी कहने के लिए डरती थी. मगर अब आपसे सब कुछ शेयर करूँगी.

मैंने उससे कहा- चल डिल्डो बाँध और मेरी चूत की खुजली दूर करते हुए, अपनी चुदाई कैसे शुरू करवाई, वो पूरी तरह से बताओ.

उसने दो मिनट में लंड को सैट किया और मेरी चूत में पेलते हुए कहा- दीदी.. दीपक का लंड मोटा और लंबा खूब है. चूत को पूरी फाड़ कर रख देता है. एक बार जब चूत में अपना

लंड घुसाता है, तो निकालने का तो मानो भूल ही जाता है. जब तक चूत की धज्जियां ना उधड़ जायें, तब तक चूत को मजे ले लेकर ठोकर मारता है. फिर मम्मों का बहुत बड़ा शौकीन है. ऊपर से नीचे से निप्पलों को उंगलियों से दबाना, मुँह में लेने का तरीका मस्त है. चूत की चूसकर उसे तब तक नहीं छोड़ता, जब तक चूत पूरी तरह से अपना पानी ना निकाल दे.

मैंने कहा- अरे हट पगली.. तू कुछ ज्यादा ही तारीफ़ कर रही है.

पिंकी- दीदी एक बार उसके नीचे दब कर देखो, तो पता लगेगा कि क्या सच्चाई है.

मैंने कहा- जब लंड लेने की बारी आई, तो तुमने तो मुझे भुला ही दिया.

इस पर वो कुछ ना बोल पाई क्योंकि यह उसकी दुखती रग थी. वो बोली- सॉरी दीदी अब बताओ कैसे करूँ ?

मैंने कहा- नहीं.. अब उससे नहीं कहा जा सकता कि वो मुझे भी चोदे. इसके लिए पूरी प्लानिंग बनानी पड़ेगी.

कामुकता से भरपूर जवान लड़की की सेक्स स्टोरी आपको कैसी लगी, प्लीज़ मुझे मेल करें.

pchoprap000@gmail.com

कहानी जारी है.

